₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 74; 10/05/2018

बिषय सूची

ग्लास भीं छड़े	1
ई	2
अबल अबल अविष्कारी	3
बुटे दानि	2
हें पांगेई पुठ यक नजर	3
चुटकुले	4
विक्रम साराभाई	4

तुस बुन्ह दुतो नम्बर बठ फोन कइ सकते त अकाशवाणी जे बोक कइ सकते। तुस अपु मनपसन घीते शुण सकते। होर तुस अपु समाचार बी दी सकते, से बि पंगेई भाषा अन्तर।

AIR SHIMLA- 0177 2808152

धाणि त तसे जुएली

केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेके व्याहे, आठु जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचाते त तेस पढ़ान्ते ।

ग्लास भीं छड़े

यक प्रोफेसरे अपु हात अन्तर यक पोणी ग्लास रखो थिया। तेन तिहांणी क्लास भुरु की। तेन से खड़ीया रख कइ हराला त पुछण लगा 'तु हसाब जोई ग्लासे बजम कतो भोल?' '50ग्राम 100ग्राम 125ग्राम' गभुरु जवाब दता, 'जिखेई तकर अस एसे बजन ना करेल तिखेई तकर अस एसे सुसुर बजन ना बताई सकते।'

प्रोफेसरे बोलु 'मोउं केंई यक सवाल असा, अगर अउं किछ टेम तकर एस ग्लास ईहाणी टाई रखु त की भोल?' 'किछ ना'गेभुरु बोलु। 'अच्छा अगर अउं एस यक घंटे तकर ईहाणी टाई रखु त की भुंतु, प्रोफेसरे पुछु? 'तुं हतेउ सीती घेंतु', यक गभुरु बोलू। 'तुस सचु बोते। अच्छा अगर अउं एस पूरा दनभई ईहाणी हात अन्तर टाई रखुं त की भोल? 'तुं हतेउ सुन भोई घेंतु। तुं नेड़ी सीती घेंती।तुसी लकवा मारी सकता, पकु हास्ताड़े घेण एतु,' केनी गेभुरु बोलु। बाकी सोब गभुरु हंसो थिए। 'बोलू अबल पर की एस कियां बाद बी ग्लासे बजम बेदलीया ना, प्रोफेसरे पुछु?' उत्तर आ 'ना'। 'त भला फि बी हात चंड़ंग किस लगी त नेड़ी किस सिती?' गेभुरु हेरन भोई गे। तोउं प्रोफेसरे पुछु 'अब मोउं चंड़ंग मुकाण जे की करु?' यक गभुरु बोलु 'ग्लास भीं रख छड़े'।

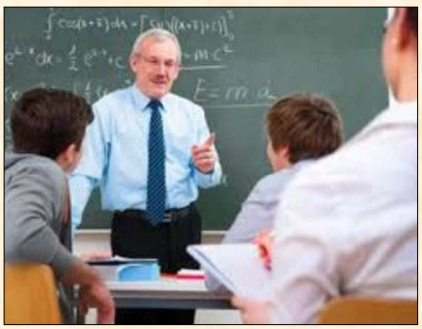

'बिलकुल सुसुर' प्रोफेसरे बोलु। जीन्दगी प्रोब्लेम बी किछ ईहाणी असे। तेन्ही किछ टेम अपु दमाक बट रखे जिखेई तुसी लगीएल कि सोब किछ ठीक असु। तेसे बारे सुआ टेम तकर सोचे त तुसी अजीब ई भुतुं। त एन्ही हउ बी चेरे तकर अपु दमाक बठ रखे, तुं दमाक बठ जिखेई सुआ दवाब भुएल त तुं बेलि जादु ना सोर्चीतु। त तुस किछ बि ना कइ सकते।

अपु जीवन अन्तर एणे बाड़ी चुनोती त समस्याई के बारे सोचुण जरुर असु। पर तेस कियां बी जादु जरुरी असु कि दिस ओलते त उघंण केयां पेहला एन्ही भीं रखे। ई तुस सटेस न भुण। तुस रोज कि टाटोरे त सुसुर भोई खेड़ीए ताकि समहाइ एणेबाड़ी चुनोती सामना कइ सकिएल।

14 कुकोती धेनीस असु।

खास दन

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

ई

ई त भो से तेसे प्रमे सचा असा।
से बजन जीणे कल्पना सची नेई
ई त प्रेमे मुर्ती भो।
तथ अन्तर बासो असी देवी सुरत
ई से भो जेसे कोई परिभाषा नेई
तस कियां दुर बिशणे चेता असी ती तणपतां।

सेरी दल अन्तर त असा प्रेमे दिरीयोउ
न समझती कऊ में त कऊ पराया
ईए ऋण कोई ना चुकाई सकता

ईए खुरी पहाण असा स्वर्गे सुख
ई त भो जेसे प्रेम सचा असा
तस बजन जीणे कल्पना सची नेई।

नाउ विनोद कुमार
मो. 9459828290

अपु लेख, विचार, कथा, कविता तुबारि अन्तर छपाण जे बुहन दुतो पता पुठ लंघाए।

अबल अबल अविष्कारी कें बारे

1. कागजे अविष्कार सी लुन नोउए चीन दे"ा यक मेहणु कियो थी। 2500 साल पेहला चीनी मेहणु लानटेन टड अन्तर गून त पोणी मियाइ कइ स्याही अविष्कार कियो थिया।

2. मैक्सिको अंतर 12बी शताब्दी अंतर कोको फलि कें खोज की। चॉकलेट सोभी किंया पेहला स्विजरलैड अंतर 1819 अंतर बड़ो थी।

3 साभणी वटी अविष्कार 12बीं भाताब्दी अंतर भूओ थिया। पर ए 1700 खत्म भू तकर विलासिते चीजें इ समझीण लगो थी। 18बीं "ाताब्दी अंतर ए सोबी मेहणु केइ बेचण लगी।

4. पुराणे भारत त मिस्र दे"ा अंतर तेल जुओइ किस्मी किस्मी फियूड़ मियाइ कइ तेस तेल

लांतेथ। एठियारी इतरे अविष्कार भूआ

हें पता:

तुबारि पत्रिका
हरी जरनल स्टोर,
किलाड़ बजार, त: पांगी घाटि,
जिला: चंबा,
हिमाचल प्रदेश। पिन. 176323

बुटे दानी

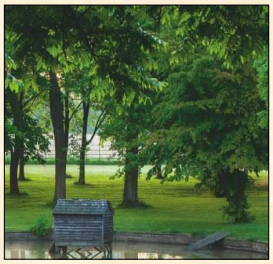

यक बुटा थिया
से यक मेठुड़ कुआ जोई सती प्यार कताथ
रोज के से कुआ तेस बुटे केंई एताथ
से रोज के बुटे पने बहेड़ताथ
त से तेस बुटे फियुड़ कटेरताथ त तेसे मेड़ेई बणाताथ
त से दुहो जे यक होर जोई खलतेथ। से तेस बुटा बठ चढ़ताथ
त तेसे बहाड़ जोई ढनेईताथ
से तेस बुटे जोईया सिअउ खांताथ
त से दुहो जे यक होर जोई नियोकु नियोकु खेलताथ
त जेखेई थेकी घेन्ताथ त से तेसे बुटे शोलयार अराम कताथ
त से बुटा तेस कुआ जोई ती प्रेम कताथ
त से कुआ तेस बुटे जोई ती प्रेम कताथ ।
से बुटा तेस कुईए सुआ मदद कताथ।

हें पांगेई पुठ यक नजर

भीड़ भाड़े दुनिया केईया दूर कोठि, चुप-चप यक कनारा असा,
में दिले धड़कन भुओ से, में टीरे तारा भुओ,
सेईए त देवती के धरती भुओ, सेईए त टयारु, पांगेई हें भुओ।

चम्ह जिले केईया दूर पार असु पांगेई। पांगेई पेहलकण जवाने केईया या पता नेई कपल केईया खड़ी बिशते अओ असे मेहणु। एस बारे जती जानकारी असी तसे हिसाब जोई पेहलकण जवाने जपल अकाल त होरी-होरी दुख तकलीफे बेलिए मेहणु जिन्दगी बीताण मुश्किल भोई घेन्तुथ, त मेहणु अपफ बुच लुट-मार कतेथ। एस बझाई जोई जानि मुलि सुआ नुक्सान भुन्ताथ। ईं एस नुक्सान केईया बचणे लिए मेहणु पांगेई ओत-कोती जगाई केईया, इस सुनसान त मुश्किल जगाई जे आए। जेस अन्तर जन्मू-कश्मीर त हिमाचले मेहणु असे। तेन्हि मेहणु लूट-मार करण केईया त सुआ मेहनत करणे जिन्दगी चुणी। तेन्हि बक्ती मेहणु जिन्दगी जीणे लिए सुआ दुख तकलीफ सेहण एन्तीथ। अतु तकर कि अगर अस 1960 केईया 80 तकरे साली के बि बोक करिएल त, अस तेस केईया पेहलकण बितो बक्ते याद थोड़ी बहुत महसूस कइ सकते। पर ज्यादा न किस कि से त जेन्हि पुठ बितो थी, सेईए मेहसूस कइ सकतेथ।

आज केईया 30-35 साल पेहले बि पांगेई मेहणु अपु हिंयुत कटणे लिए सुआ जरुरी चीजें जीं गिहुं, लुण त खन्नी लिए साच जोत पार कर कइ चुराहे तरेल केईया अण्ही एन्तीथ। होर एन्हि सोबि चीजी ढडुड़ त बकरी पुठ आण्तेथ, त टगड़ियारी लिए यक खास कठोड़ इस्तेमाल कतेथ, जेस जे अस अपु भाषा अन्तर "दहलुण" बोते। तेस बक्ते मेहणु हियुंत जे पबेनी आटा बणांतेथ, जे सेहदी लिए अबल भुन्ता। साते-साते पबेनी जे जड़ भुन्ती से बि जोड़ी के चिड़गी लिए खरी मानते। पबेनी एस गुणे लिए आज बि मेहणु खाण जे पबेनी आटा बणांते। पेहलकण जवाने जीण इस बझई जोई बि मुश्किल थियु, किस कि तरक्की नाहे बराबर थी।

पर आज हालात सुआ बदली गओ असे। सरकारी मदत मेहणु बराबर मेण लगो असी। आज सरकार बि ईं-ईं मुश्किल ईलाकी अन्तर विकास करण लगो असी। पेहलकण जवाने पांगेई केईया गभुरु अठमी पेपर देण जे बि सुण्डले घेण ऐन्तुथ। फि बि पांगेई केहि मेहनती गभुरु 4395 मी0 ऊचे साचे जोत बइ अपु समान बन्ह कइ पढ़ण जे घेन्तेथ, त आज हें एसे पांगेई लगभग ग्रां-ग्रां अन्तर स्कूल बण गओ असे।

आज हें पांगेई तेज त मेहनती गभुरु बोड़े-बोडे अफसर बण गओ असे। अतु तकर कि आई. ए. एस. त एच. ए. एस. केईं अफसर बि बण गओ असे। आज हें पांगेई, सरकारे यक दुई ग्रां छड़ दी कइ लगभग सोबी ग्रांईं सड़के पुजाई छओ असी। बिजली बि घर-घर पुजाई छओ असी। सड़क बणणे बेलिए हें पांगेई मटर त अलुण देशे केहि जगाई पुजो असे, जेसे बेलिए हें पांगेई जिम्मदार बि ठीक-ठाक कमाई करण लगो असे। आज सरकार हें जे प्रकृतिक सम्पदा असी तसे कना बि ध्यान देण लगो असी। हें पांगेई केहि जड़ी-बुटी असी जेन्के बेलिए दवा बणती। एसे लिए सरकारे हुंडान त सुराल पंचायत अन्तर दुई जगाई जड़ी-बुटी लाणे कम शुरु कियो असु। अगर जे बि असी एसे सुआ बधणे उम्मीद असी।

हें पांगेई मेह्रु के स्वाभव अबल त नरम भुन्ता। एसे स्वाभवे बझई जोई अपफ बुच मन-मुटाव भुणे बावजूद बि हरेक तियारी अन्तर यकी होरी जोई मेह्रु परेम जोई मिईते। कम से कम साले दुई लिंगि त मेह्रु यकी होरी जोई जरुर मिईते। जीं जुकारु त फिलयाटे टेम। जुकारु के टेम मेह्रु यकी होरी गड़े मीइ कइ यक होरी बधे देन्ते त प्रार्थना बि कते। हें पांगेई छोटे-मोटे सुआ तियार मनाते। जीं उनोड़ी, दखेण, नाघोई त मिन्हयाट.....। बरशाड़ त हें पांगेई अतु अबल भुन्तु ईं लगतु कि कुदरत असी पुठ मेहरबान असी। हें पांगेई मेह्रु के देवती पुठ सुआ आस्था असी। एसे बझई जोई हरेक ग्रांई देहर असे। हें पांगेई हिन्दु जोई साते-साते बौद्ध धर्मे मेह्रु बि असे।

देशे केहि जगाई केईया दिल दहलाणे वाड़ी खबरे एन्ती जीं दहेजे बुराई। हें पांगेई अपु अपल तकर ईं किछ नेई। हें पांगेई मेह्रु त अपु नोई लाड़ि ईं दहेज मानते। दहेजे बझई जोई कपले केसे बि दुख तकलीफ न देन्ते। असी सोबी उम्मीद करीण चहिए कि अगर एणेबाड़ी पीढ़ी अन्तर बि हें पांगेई ईहांणि यक आर्दश ईलाका लौता रेहो। .....बबीता

चुटकले

1. **मैडम जी**– मोंटू 1 केईया 10 तकर गिनती शुणा। **मोंटू**–1 2 3 4 5 7 8 9 10! **मैडम जी**– 6 कोठि असु? **मोंटू**–जी से त मर गा। **मैडम जी**– मर गा? की मर गा? **मोंटू**– जी मैडम, आज भ्यागे टी वी पुठ बताण लगो थिए कि स्वाईन फ्लू अन्तर 6 मरी गए।

2. संता सुपने यक कुई चप्ली बइ माडा। दोका रोज संता बैंक न गा, किस कि बैंक अन्तर लिखो थियु, "अस तुं सुपने हकीकत अन्तर बदील छते।"

3. भगवान त डाँक्टर कदी नराज न करण, किस कि भगवान नराज त तुस डाँक्टर केईं, होर डाँक्टर नराज त तुस भगवान केईं पूजते।

6. **टीचर**-तुस केस लिए कॉलेज एन्ते? **गभुरु**–विद्या लिए सर। **टिचर**– त आज तुस उंघुण किस लगो असे,? **गभुरु**–आज विद्या नेई अओ, सर जी।

7. **किडनैपर**–तें जुएली में कब्जे अन्तर असी, सबूते तौर पुठ दुई अगुलु कटि कइ लंघाण लगो असा। **संता**-सबूत पक्का नेई, अगुंल केसे बि भोई सकतु, म्युकुण लघां, म्युकुण।

8. **मेहणु**-भेईंया बाड़ छोटे कर। **नाई**– कतो छोटे करण साहब? **मेहणु**–-अतो छोटे करण कि जुएली हथ न लोते अओ।

10 **दॉदू पोतुरु जे** -तें मैडम अओ असी, गा नियोकिण दे। **पोतुरु**–पेहले तुस नियोके, तुं मौती बहाने जुओई त मेईं दुई हफ्ते छुट्टी नी रखो थी।

11 **डॉक्टर**- -तें टाई दंत की टूटे? **मरीज**–जुएली टटोरी रोटि बडाओ थी। **डॉक्टर**–त खाण जे नाह कइ छतेथ।
मरीज–जी, सेईए त कियु बे जी।

बबीता ठकुर

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपाः असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाइ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

9418429574; 9418329200

9418411199; 9418904168; 9459828290

विक्रम सारा भाई

विक्रम साराभाई, भारते मेशुर सारा भाई टाबर कियां थिया, जे तेन्हि खास शेटि बुच थी, जेन भारत अजाद भुण जे सोबी कियां खास कम कियु। से भारत मशुर वैज्ञानिक त प्रर्वतक थिया। त चोहरो कना मेहणु भारते असमाने कमी अंतर तस बोउए ई मनण लगे।

विक्रम ए. साराभाई कम्युनिटी विज्ञाने केंन्द्रे संस्थापना 1960 अन्तर साराभाई बेलि केरीए थी, जे कि वैज्ञान ता हसाबे(mathematics) जोई कम करण लगो असा। होर इसरो(ISRO) स्थापनाई अन्तर तेसे पहेली भूमिका थी। असी बुच केतु जेईं त ई बी नेई पता कि तेसे सुआ संस्थानी के स्थापना अंन्तर खास भुमिका थी। सोबी कियां खास त अहमदाबाद भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIMA) त नेहरु फाउंडेशन(Neheru Foudation)। विक्रम साराभाई भारत सरकारे पदम भुषणे बाई 1966 त 1972 अंन्तर पदम विभुषणे बाई समानीत केरीए थीया। (मरण कियां बाद)